

आशा अरुंधती

1.422

ASHA ARCHIVES

१८८ नमः श्रीगणेशाय ॥ यत्तद्यदवदं वशं सर्वेषु निवृत्तं ॥ १ ॥
निवृत्तं भावार्थं विन्यासमायार्थं वशं सर्वेषु निवृत्तं ॥ २ ॥
दशमं यथाशक्तं लिखितं सविज्ञानं सविज्ञानं ॥ ३ ॥
हस्तिकाशानि हस्तिकाशानि हस्तिकाशानि ॥ ४ ॥
सन्निधौ स्थितिमांशं ॥ ५ ॥

॥ दशमं यथाशक्तं लिखितं सविज्ञानं सविज्ञानं ॥ ६ ॥
मन्त्रिहस्तिकाशानि हस्तिकाशानि हस्तिकाशानि ॥ ७ ॥
॥ वृत्तं सविज्ञानं सविज्ञानं सविज्ञानं ॥ ८ ॥
जानयतादिकं ॥ ९ ॥
नमः सविज्ञानं सविज्ञानं सविज्ञानं ॥ १० ॥

य॥ यज्ञानं यतिनक्रयं तस्मिंस्तिनक्रयसा ॥ १०० ॥ दंशागममाश्रुव
 मशक्रादिशिसाद॥ १॥ ॥ तदाश्रुनिचेमनमाश्रुमंयनमंमदत॥
 ममायायधनदिशं दिव्यायधममंनतं॥ २॥ ॥ वशमावक्रयगतगत
 नक्रयमयतं॥ स्यादथाउ नंनक्रयमथायविमंस्ति॥ ४॥ १० ॥ वा
 हिनियुष्टमाश्रुय मंआदशनथयदा॥ नथठकाकेनदिशंमतिनः॥

तद्विदुषितं ॥ ११ ॥ अहं सवत्सु कस्य गते मया कतुस मदिभ ॥ दीयमा
नामयावलेकिं बीठाकलनयक ॥ १२ ॥ अहं सवत्सु कतुस मदिभ ॥ दीयमा
द्वं तास्य न ॥ आकलेयु विमं वायं सदा वास्तु निजा किं ॥ १३ ॥ क
लिका कसि निष्ठित्वा मया मय विमं न ॥ अहं सवत्सु कतुस मदिभ ॥ दीयमा
नस्य वीत् ॥ १४ ॥ अहं सवत्सु कतुस मदिभ ॥ दीयमा

कनं दवा मय मनशा भनय मिदिदि सधवा न ग ॥ १० ॥ मया न
 वला कि ता ग ॥ ११ ॥ मया वा मय क नि क ॥ १२ ॥ मया दं तव वा क ॥ १३ ॥ मया मयो व
 मय न व ॥ १४ ॥ मय वृ दि य दा स्या मि स क ॥ १५ ॥ मय न व न ॥ १६ ॥ मय व थ ड वा व ॥ १७ ॥ म
 दि ती म द यि त्वा ड न म क सं व य म न ॥ १८ ॥ मया ग ला या व व द्या क
 म दि नी ॥ १९ ॥ मया व द्वा नं म या मो द ना य मि द्या मि न व लं ॥ २० ॥ मय म यु गं न

या ह व लं द व्वा ड मा थ कं ॥ २१ ॥ या थ य मा न ह मा ला व न म नृ ग नि न द
 ॥ २२ ॥ या न व व ॥ २३ ॥ य न व व व वी ॥ २४ ॥ या व तं व व म स व न ॥ २५ ॥ य न व लं
 वा ज्ञा ह म क र्वा क व क द्या ॥ २६ ॥ द्या क म य व द रि कं ॥ २७ ॥ या वि न र वि श्र ति
 ॥ २८ ॥ की कि व य म दी या ड ॥ २९ ॥ या यि क दि य ति ॥ ३० ॥ य व व ल व र य य ह
 म य मा य या थि व ॥ ३१ ॥ य थ य मि न र य य ॥ ३२ ॥ य व व क ल क र लि ॥ ३३ ॥

त्रामयतीददी गतनाथं विनायकं नमो दशरथस्य पुत्रं श्रीवनिदम
 था कलान्तरं नमः कृष्णाय नीलाय शिखिकेश्वरिणाय नमः नीलः
 मयूखाय नीलाय नमः नीलाय नमः नीलाय नमः नीलाय नमः नीलाय नमः
 यद्वानमः निशालनकाय शुक्लाद्वयकन्याय नमः नमः नमः नमः नमः
 सुलभा मायदे नमः नमः दीर्घाय शुक्लाय कालद्वयं नमः सुलभा नमः

कंकाटलाकायदनिमीकायतम॥नमायालायबोदायहीयतम॥
 कालानित॥नमस्तुमावेशुकायनितम॥नमायुत॥नमायंदगत
 नित्यांनिधीमयनमायुत॥कलकायनमाइयुत॥रुक्माइयनमा
 इयुत॥सयायुतनमस्तुलाकबहुयदायन॥अ॥अदहनमस्तु
 संवत्कननमानम॥नमाकालानिबोदायकलाकायनम॥नमा

सदृककडुलंशनिधनभायुतं। तस्य सादृशददाय निरुंथागवता
यव। हानवकृतसकपुकश्चयात्मकानव। उक्तददाशिनार्थः
ववभोवेदवशिकमान्॥ ददासुवसन् आशययुयकिमनिशया॥
त्वयावलाकितासवनाशयकिमसुवक॥ वृद्धशकमनयादवायय
॥ सयतात्रका॥ वाक्यसायककीद। तवदमात्रलाकिता॥ दशधन

गवायामादीयाश्चैवतथादमा॥ त्वयावलाकितासुयिनाशयकिः
समन्तत॥ यशादं कुवमशोनववाथादंतवस्थित॥ वतमयुक्तदाः
लोप्रियदत्राकामदावली। अयवीदीशंवाशं दृष्टवामाश्रुतासुविः
॥ सउक्तदंतववाक्यदसुवनानतसवत। वनवृद्धिवदास्यामि॥ वृद्ध
यात्रयुनवन॥ दशनधदवाव॥ अययुक्तित। शीव। योडाकार्याः

यथा तादृशवत्सुता मयत्तु तादृशवत्सुता नैव सुखाद्यनैव (शने)
 नयादानं स्यात्सुता नैव तादृशवत्सुता नैव सुखाद्यनैव (शने)
 शनिश्च यथा शनिश्च यथा शनिश्च यथा शनिश्च यथा शनिश्च यथा
 नादृशवत्सुता नैव तादृशवत्सुता नैव सुखाद्यनैव (शने)
 नादृशवत्सुता नैव तादृशवत्सुता नैव सुखाद्यनैव (शने)
 नादृशवत्सुता नैव तादृशवत्सुता नैव सुखाद्यनैव (शने)

आशा आशा

ASHA ARCHIVES

1.422